जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 311 प्रभात अजमेर, गुरुवार 12 जून, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि प्रेरणा दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

श्रद्धांजलि सभा में 11 राष्ट्रीय स्तर के नेता, 8 सांसद, 47 विधायक तथा 83 पूर्व विधायक एवं मंत्रियों के पहुंचने का दावा किया जा रहा है

- माना जा रहा है कि सचिन पायलट ने श्रद्धांजलि सभा के माध्यम से शक्ति प्रदर्शन कर अपने विरोधियों को अपनी राजनैतिक ताकत का अहसास कराया।
- पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, हम दूर कब थे, मोहब्बत हमेशा वही बनी रहती है। हम कभी दूर नहीं थे। हम सब एक हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की 25 वीं पुण्यतिथि पर दौसा में राजेश पायलट के स्मारक, जीरोता में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। इस श्रद्धांजलि सभा में सचिन पायलट के साथ राष्ट्रीय स्तर के 11 नेता, 8 सांसद, 47 विधायक तथा 83 पूर्व विधायक एवं मंत्री सहित भारी तादाद में कांग्रेसी उमड़े।

दौसा, 11 जून। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में बुधवार को राजेश पायलट के स्मारक, जीरोता पर राजेश पायलट की 25 वीं पुण्यतिथि "प्रेरणा दिवस" पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

राजेश पायलट स्मारक, जीरोता में आयोजित श्रद्धांजलि एवं सर्वधर्मसभा के आयोजन से पूर्व सभी नेताओं ने राजेश पायलट स्मारक, भंडाना पर भी पहुंचकर राजेश पायलट की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मीडिया के सामने बोलते हुये पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की आंखें नम हो गईं। उन्होंने कहा कि 25 साल पहले आज के दिन पायलट साहब हमसे जुदा हो गए थे। एक दुखद रोड दुर्घटना में उनका निधन हो गया था। हमसे उनका बिछड़ जाना बड़ा ही दुखदाई है। मेरे साथ-साथ बहुत सारे लोग हैं, जिनको उनकी कमी आज भी खलती है।

सर्वधर्म प्रार्थना सभा में वैदिक मंत्रों के साथ-साथ, कुरान, बाइबिल और गुरबानी का पाठ भी हुआ और महात्मा गांधी के प्रिय भजन "रघुपति राजा राघव राम" की प्रस्तुति भी हुई। इससे पहले, सर्वधर्म प्रार्थना सभा के लिए लगाए गए विशाल डोम में राजेश पायलट की जीवनी पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई, जिसमें उनके भारतीय वायु सेवा में रहते और उसके बाद राजनीति में उनके कामकाज को दिखाया गया। उसके पश्चात 2 मिनट का मौन धारण करके भी उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इससे पहले राजेश पायलट के सड़क दुर्घटना स्थल पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनम सहित सभी 5 आरोपी 8 दिन की रिमांड पर

इंदौर/शिलांग, 11 जून। राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में मेघालय के शिलांग कोर्ट ने पत्नी सोनम समेत पांच आरोपियों को 8 दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा। बुधवार को मेघालय पुलिस ने सोनम रघुवंशी समेत चार अन्य आरोपियों का मेडिकल कराने के बाद उन्हें शिलांग की कोर्ट में पेश किया था। मेघालय पुलिस के द्वारा राजा रघुवंशी की हत्या का

- सोनम पर उसके पति राजा रघुवंशी की हत्या के आरोप है। मेघालय पुलिस ने आज उसे शिलांग कोर्ट में पेश किया था।

सीन भी रीक्रिएट किया जाएगा। मंगलवार की रात को मेघालय पुलिस ने गाजीपुर की कोर्ट से सोनम रघुवंशी की ट्रांज़िट रिमांड हासिल की थी। इसके साथ ही, मेघालय पुलिस ने उस जगह की तस्वीर भी जारी कर दी है, जहां पर राजा रघुवंशी की हत्या की गई थी। पुलिस ने आरोपियों की 10 दिन की रिमांड कोर्ट से मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने पांच दिन की रिमांड मंजूर की।

शिलांग कोर्ट से आठ दिन की रिमांड मिलने के बाद मेघालय पुलिस सभी को वापस सदर थाना लेकर आई है। यहीं पर सोनम रघुवंशी और चार अन्य आरोपियों से आगे की पूछताछ की जाएगी।

सचिन भूलने को तैयार हैं: पर हाईकमान गहलोत के मामले में दरियादिली दिखाने के लिए तैयार नहीं है

तो क्या भारी गर्मी में लगातार पसीने पोंछते हुए, सचिन के आमंत्रण का मान रखते हुए गहलोत का भंडाना जाना व्यर्थ ही साबित होगा?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जून। सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच एक दूसरे को नीचे गिराने का जो खेल चल रहा है, उसने एक रोचक मोड़ ले लिया है।

सचिन पायलट अपने पिता राजेश पायलट को निकम्मा, नाकारा कहा था। पायलट व उनके सहयोगियों पर देशद्रोह का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। यही नहीं, पायलट कहीं मुख्यमंत्री न बन जाएं, इसके लिए गहलोत ने सोनिया गांधी तक के खिलाफ बगावत कर दी थी और भी न जाने क्या-क्या किया था।

- तत्कालीन मु.मंत्री अशोक गहलोत ने, युवा सचिन पायलट को सार्वजनिक रूप से नालायक, निकम्मा व नकारा कहा था। पर, सचिन ने इस अपमान व तिरस्कार को पचाकर, गहलोत को राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह के लिए घर जाकर आमंत्रित किया।
- पर, सोनिया गांधी व राहुल इस बार शायद माफ करने को तैयार नहीं, क्योंकि गहलोत ने अपने समर्थकों के साथ सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत की थी तथा कांग्रेसाध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा भेजे दो प्रभारियों, खड़गे और माकन, को कांग्रेस विधायकों से नहीं मिलने देने की साज़िश रची थी।

पायलट की 25वीं पुण्यतिथि के लिए अशोक गहलोत को आमंत्रित करने उनके घर गए। पायलट के पिता की पुण्यतिथि पर दौसा में आज एक विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सचिन पायलट ने बड़ा दिल दिखाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत को घर जाकर आमंत्रित किया, जबकि इन्हीं गहलोत ने गहलोत दिल्ली में कोई भी पद पाने की जी तोड़ कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सोनिया तथा राहुल उन्हें माफ करने को तैयार नहीं है और सूत्रों का कहना है कि उन्हें कहीं भी कोई भी भूमिका मिलने की संभावना नहीं है।

मजे की बात यह रही कि आज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सचिन के निमंत्रण पर कांग्रेस के लगभग सभी नेता उमड़े

दौसा, 11 जून। किसान नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. श्री राजेश पायलट जी की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर दिनांक 11 जून, 2025 को भण्डाना, जिला दौसा में आयोजित "सर्वधर्म प्रार्थना सभा" में निम्नलिखित प्रबुद्धजन उपस्थित रहें:-

वरिष्ठ नेता

- सुखजिन्दर सिंह रंधावा, सांसद, एआईसीसी प्रभारी-राजस्थान
- ऋत्विक मकवाना, एआईसीसी सह प्रभारी-राजस्थान
- चिरंजीवाव, एआईसीसी सह प्रभारी-राजस्थान
- धीरज गुर्जर, सचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
- सुश्री दिव्या मदेरणा, सचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
- दानिश अबरार, सचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
- देवेन्द्र यादव, विधायक, छत्तीसगढ एवं सचिव, एआईसीसी
- उदयभानु चीब, राष्ट्रीय अध्यक्ष, युवा कांग्रेस
- अलका लाम्बा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, महिला कांग्रेस
- वरूण चौधरी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, एन.एस.यू.आई.
- विजय जांगिड़, संयुक्त सचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

सांसद

- मुरारीलाल मीणा
- बृजेन्द्र सिंह ओला
- हरीश मीणा
- कुलदीप इन्दौरा
- भजनलाल जाटव
- श्रीमती संजना जाटव
- श्री उम्मेदाराम बेनीवाल
- श्री राहुल कसवां

विधायक

- अशोक गहलोत
- सचिन पायलट
- गोविन्दसिंह डोटासरा
- टीकाराम जूली
- हरीश चौधरी
- सुरेश मोदी
- वीरेन्द्र सिंह
- रामकेश मीणा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसी के तापमान पर सरकार ने लगाम लगाई

नई दिल्ली, 11 जून। देश के कई इलाकों में भीषण गर्मी और हीटवेव के बीच सरकार ने एयर कंडीशनर के टेम्प्रेचर को रेगुलेट करने का ऐलान कर दिया है। केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मंगलवार को जानकारी दी कि भारत सरकार जल्द ही

- एसी का तापमान अब 20 से 28 डिग्री सैल्सियस के बीच सीमित रखने की योजना है।

एसी के तापमान को मानकीकृत करने का प्रयोग शुरू करेगी। इस योजना के तहत, एयर कंडीशनर को 20 डिग्री सेल्सियस से कम ठंडा नहीं किया जा सकेगा। खट्टर के मुताबिक, एसी के तापमान को 20 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच सीमित करने की योजना है। इससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जुलाई में एक लाख करोड़ रूपए के एमओयू की ग्राउण्ड ब्रेकिंग करें'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने इन्वैस्टमैंट समिट में विभिन्न विभागों के एमओयू की समीक्षा की

- मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जो भी घोषित पॉलिसी अभी लम्बित हैं, उन्हें 31 जुलाई तक अंतिम रूप दें। साथ ही जारी हो चुकी पॉलिसी के शेष नोटिफिकेशन 30 जून तक जारी करें।

जयपुर, 11 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की प्रदेश के विकास को समर्पित निवेश और उद्योग संबंधी नीतियों के परिणामस्वरुप राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू निरंतर धरातल पर मूर्त रूप ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सवा तीन लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग से प्रदेश के विकास को नई गति मिली है। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय से आगामी माह में एक लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए विभिन्न विभागों के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए विभिन्न विभागों के एमओयू की समीक्षा बैठक ली।

बीएसएफ के जवानों को गंदगी भरी ट्रेन मुहैया कराई

नयी दिल्ली, 11 जून। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के लिए पुराना एवं गंदगी भरा ट्रेन सेट उपलब्ध कराने पर कड़ी कार्रवाई की है और चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। वैष्णव ने बुधवार को यहां पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि इस घटना की जानकारी मिलने के चार घंटे के भीतर

- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस मसले पर सख्त एक्शन लिया व चार अफसरों को निलम्बित किया।

कार्रवाई की गई है। रैक बदलने के साथ ही इस गलती के लिए जिम्मेदार अलीपुरद्वार मंडल के चार अधिकारी निलंबित कर दिये गये हैं। सूत्रों के अनुसार, निलंबित अधिकारियों में अलीपुरद्वार कोचिंग डिपो के प्रभारी तथा मंडल के तीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर शामिल हैं।

लॉस एंजलिस के बाद न्यूयॉर्क, टैक्सस, शिकागो और ऑस्टिन में भी आक्रामक प्रशासन विरोधी प्रदर्शन फैले

इमीग्रेशन व कस्टम विभाग की ज्यादतियों व दादागिरी के खिलाफ जनता संगठित हुई

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जून। एंटी इमिग्रेशन प्रदर्शन अमेरिका भर में फैल रहे हैं। लॉस एंजिल्स के बाद अब न्यूयॉर्क, टैक्सस और ऑस्टिन में भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। शिकागो में कुछ अधिक आक्रामक प्रदर्शन देखने को मिले हैं।

ये प्रदर्शन इमिग्रेशन और संबंधित विभागों की कथित मनमानी के खिलाफ हो रहे हैं और इन्हें "आईसीई आंदोलन" कहा जा रहा है।

प्रमुख शहरों से अमेरिकी सरकार के इमिग्रेशन और कस्टम्स विभाग के खिलाफ गंभीर विरोध की खबरें आ रही हैं। विरोध प्रदर्शनों का मुख्य कारण प्रशासन द्वारा लोगों को जबरन हिरासत में लेने की कार्रवाई है, जिससे पारिवारिक ढांचे पर बुरा असर पड़ रहा है।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार की एंटी-इमिग्रेशन एजेंसियों ने चुन-चुन कर लंबे समय से अमेरिका में रह रहे परिवारों के सदस्यों को उठाया है। कई माता-पिता को उनके बच्चों और परिवार से जबरन अलग किया जा रहा है।

कैलिफोर्निया में स्पेनिश-अमेरिकन समुदाय का आरोप है कि उन्हें टारगैट किया जा रहा है।

- संगठित होने का एक बड़ा कारण था, यह चर्चा फैलना कि कई वर्षों से अमेरिका में रह रहे विदेशियों के परिवार टूट रहे हैं, इन विभागों की सख्ती व काम करने के बेरहम तरीकों से।
- कुछ लोगों में, विशेषकर स्पैनिश अमेरिकियों में तथा मैक्सिकन मूल के लोगों में इस भावना ने जोर पकड़ा कि उन्हें विशेषकर टारगैट किया जा रहा है।
- लॉस एंजलिस में मैक्सिकन मूल के बाशिंदों की इस "टारगैटिंग" के विरूद्ध लोग सड़कों पर निकले मैक्सिको का झण्डा लेकर, पुलिस व नैशनल गार्ड ने झण्डे लेकर निकले लोगों पर डण्डे बरसाये व हिरासत में डाला। सिविल राइट्स के समर्थकों ने इस बात पर भारी हल्ला-हंगामा किया कि अमेरिकी नागरिकों को किसी भी देश का झण्डा फहराने की पूर्ण स्वतंत्रता है तथा झण्डा फहराना कोई अपराध नहीं है।
- न्यूयॉर्क के पुलिस अफसरों का भी मानना है, स्थानीय विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिए सेना को बुलाना दुर्भाग्यपूर्ण व गलत है। इसे स्थानीय पुलिस ही आसानी से संभाल सकती है।

बच्चों को उनके घरों से जबरदस्ती उठाया जा रहा है। विभिन्न समुदायों में भय है कि उन्हें निशाना बनाया जा सकता है। कुछ छात्र तो स्कूल और ग्रेजुएशन समारोहों में भी नहीं जा रहे हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि कहीं पुलिस उन्हें पकड़ न ले।

लॉस एंजिल्स, जो अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा शहर है, वहां मैक्सिकन परिवारों को खास तौर पर निशाना बनाया जा रहा है। प्रदर्शनकारी सड़कों पर मैक्सिकन झंडा लहराकर प्रदर्शन कर रहे हैं, जो उनके मूल देश को दर्शाता है। अधिकारियों का कहना है कि जो लोग मैक्सिकन झंडों के साथ बदसलूकी कर रहे हैं, वे मैक्सिकन नागरिक हैं।

हालांकि अमेरिकी अधिकार समूहों का कहना है कि अमेरिकी नागरिकों को कोई भी झंडा दिखाने का अधिकार है, और मैक्सिकन झंडा लहराना कोई अपराध नहीं है।

इसी बीच, अमेरिका के कई प्रमुख वर्गों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आधार प्रमाणित यूज़र ही बुक कर सकेंगे तत्काल टिकट

नई दिल्ली, 11 जून। रेल मंत्रालय ने बताया है कि एक जुलाई 2025 के बाद से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही तत्काल योजना के तहत टिकट बुक कर सकेंगे। 10 जून, 2025 के एक परिपत्र में मंत्रालय ने सभी जोनल रेलवे को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि तत्काल योजना का लाभ आम अंतिम

- रेल मंत्रालय ने सभी ज़ोनल कार्यालयों को यह आदेश एक जुलाई 2025 से लागू करने को कहा है।

उपयोगकर्ताओं को मिले। मंत्रालय ने कहा, "01-07-2025 से तत्काल योजना के तहत टिकट आईआरसीटीसी की वेबसाइट /इसके ऐप के माध्यम से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे।" इसके बाद, 15 जुलाई 2025 से तत्काल बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण भी अनिवार्य कर दिया जाएगा।